हिन्दुस्तान
प्रयागराज • मंगलवार • 08 दिसंबर 2020

इटरनट का प्रयाग नए युग की शुरुआत

प्रयागराज। ट्रिपलआईटी में 'इंटरनेट आफ थिंग्स' (आईओटी) विषय पर पांच दिनी संकाय विकास कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ। आईटी विभाग की सिस्टम प्रयोगशाला और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रो. पी नागभूषण ने किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स में असंख्य संभावनाएं हैं जिसके द्वारा न केवल उपकरण बल्कि यहां तक कि मनुष्य और जानवरों को इंटरनेट से जोड़ा जा सकता है। चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में इंटरनेट का प्रयोग एक नए युग की शुरुआत है।

आईआईटी गोवा के डॉ. शरद सिन्हा ने इंटरनेट आफ थिंग्स प्रणाली की डिजाइन और वास्तुकला के विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ. नितिन अवलक, आईआईटी रोपड़ ने कहा कि डेटा पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाले संगठन क्लाउड, फॉग और इज कम्प्यूटिंग इन्फ्रास्ट्क्चर का उपयोग करने की संभावना बढ़ रही है। समन्यवक डॉ. बिभास घोषाल ने बताया कि इस आनलाइन कार्यशाला में विशेष तौर पर संकाय सदस्यों को इंटरनेट आफ थिंग्स की जानकारी दी जाएगी।

3 प्रयागराज, मंगलवार, 8 दिसम्बर, सहजसत्ता
प्रयागराज

इन्टरनेट ऑफ थिंग्स में असंख्य संभावनाएंः प्रो.पी.नागभूषण

प्रयागराज,07 दिसम्बर (हि.स.)। इन्टरनेट ऑफ थिंग्स में असंख्य संभावनाएं हैं जिसके द्वारा न केवल उपकरण बल्कि यहां तक कि मनुष्य और जानवरों को इंटरनेट से जोड़ा जा सकता है। चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में इंटरनेट का प्रयोग एक नये युग की शुरुआत है।

उक्त बातें सोमवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद में 'इंटरनेट आफ थिंग्स (आईओटी)' विषय पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए ट्रिपलआईटी विभाग के सिस्टम प्रयोगशाला और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के निदेशक प्रो. पी.नागभूषण ने किया।

आईआईटी गोवा के डा. शरद सिन्हा ने इंटरनेट आफ थिंग्स प्रणाली की डिजाइन और वास्तुकला के विषय में विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने इंटरनेट से जुड़े उपभोक्ता उपकरणों के बुनियादी ढांचा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नेटवर्क के माध्यम से डेटा को कम्प्यूटिंग सिस्टम के लिए विश्लेषण करने और मशीनों को रखरखाव करने की आवश्यकता पर बल दिया।

आईआईटी रोपड़ के डा. नितिन अवलक ने कहा कि डेटा पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाले संगठन क्लाउड, फॉग और इज कम्प्यूटिंग इन्फ्रास्ट्क्चर का उपयोग करने की संभावना बढ़ रही है। उन्होंने क्लाउड, फॉग और एज कम्प्यूटिंग के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम समन्यवक डा. बिभास घोशाल ने बताया कि इस आनलाइन कार्यशाला में विशेष तौर पर संकाय सदस्यों को इंटरनेट आफ थिंग्स के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा किया जायेगा । इंटरनेट आधारित सेवाओं, उत्पादों के विकास और रखरखाव के लिए प्रौद्योगिकी के ज्ञान से युक्त कार्यबल की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 सत्र आयोजित किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं में प्रो. टी.वी. प्रभाकर, आईआईएससी, बैंगलोर, प्रो. आई. सेन गुप्ता, आईआईटी खड़गपुर, प्रो. जी.सी.नन्दी, प्रो. ओ.पी. व्यास, प्रो. शेखर वर्मा, डा. जगप्रीत सिंह ट्रिपलआईटी इलाहाबाद, डा. नितिन अवलक, आईआईटी रोपड़, डा. शरद सिन्हा, आईआईटी गोवा, डा. जॉन जोस, आईआईटी गुवहाटी, डा. अजय कट्टपर, एरिक्सन प्रयोगशाला बैंगलोर प्रमुख होगे।